दैनिक जागरण
13.1.2018

72 गैरशिक्षक कर्मियों को मिला एसीपी स्केल

हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह बैठक का निरीक्षण करते हुए • जागरण

जागरण संवाददाता हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 72 गैर शिक्षक कर्मचारियों को शुक्रवार को एसीपी स्केल का लाभ प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत की अध्यक्षता में वित्त नियंत्रक डा. अतुल ढींगरा, कुलसचिव डा. एमएस दहिया, एग्रीकल्चर मीट्रीरीयोलोजी विभाग के प्रो. डा. राज सिंह, मैथ एंड स्टेट विभाग के प्रो. डा. पॉल सिंह तथा अनुसंधान निदेशालय के उप-कुलसचिव शोभित कपूर के साथ आज आयोजित हुई बैठक में एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर, अटेंडेंट, लैब अटेंडेंट, बेलदार, हैल्पर, माली आदि को लंबित एसीपी स्केल प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने पिछले दिनों विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों/अधिष्ठाताओं/अधिकारियों/नियंत्रक अधिकारियों सहित सभी नियुक्ति प्राधिकारियों को आदेश जारी किया था कि विश्वविद्यालय के जिन कर्मचारियों का एसीपी स्केल किसी भी कारण से लंबित है, उसे सिंगल विंडो कार्यप्रणाली के आधार पर तुरंत एसीपी स्केल दिया जाए। इन्हीं आदेशों का अनुसरण करते हुए शुक्रवार को हुई बैठक में 72 गैरशिक्षक कर्मचारियों के एसीपी स्केल प्रदान करने संबंधी केसों का निस्तारण किया गया। कुलपति ने स्वयं इस बैठक का निरीक्षण किया। कुलपति द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब 15, 16 व 17 जनवरी को क्रमशः निदेशक शिक्षा विस्तार, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं निदेशक, छात्र कल्याण द्वारा एसीपी स्केल के लंबित केसों का निस्तारण किया जाएगा। एसीपी स्केल प्रदान किए गए कर्मचारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए कुलपति का आभार व्यक्त किया।

समर उजाला
13.1.2018

एचएयू के 72 कर्मचारियों को मिला एसीपी स्केल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 72 गैरशिक्षक कर्मचारियों को आज एसीपी स्केल का लाभ प्रदान किया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की अध्यक्षता में वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा, कुलसचिव डॉ. एमएस दहिया, एग्रीकल्चर मीट्रीरीयोलोजी विभाग के प्रो. डॉ. राज सिंह, मैथ एंड स्टैट विभाग के प्रो. डॉ. पॉल सिंह तथा अनुसंधान निदेशालय के उप-कुलसचिव शोभित कपूर के साथ शुक्रवार को आयोजित हुई बैठक में एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर, अटेंडेंट, लैब अटेंडेंट, बेलदार, हेल्पर, माली आदि को लंबित एसीपी स्केल प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने गत दिनों विश्वविद्यालय के सभी नियुक्ति प्राधिकारियों को आदेश जारी किया था कि विवि के जिन कर्मचारियों का एसीपी स्केल किसी भी कारण से लंबित है, उसे सिंगल विंडो कार्यप्रणाली के आधार पर तुरंत एसीपी स्केल दिया जाए। इन्हीं आदेशों का अनुसरण करते हुए आज हुई बैठक में 72 गैरशिक्षक कर्मचारियों के एसीपी स्केल प्रदान करने संबंधी केसों का निस्तारण किया गया। कुलपति ने स्वयं इस बैठक का निरीक्षण किया। अब 15, 16 और 17 जनवरी को क्रमशः निदेशक शिक्षा विस्तार, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं निदेशक, छात्र कल्याण द्वारा एसीपी स्केल के लंबित केसों का निस्तारण किया जाएगा।

हरि. भूमि
13. 1. 2018

हकृवि ने 72 गैरशिक्षक कर्मियों को एसीपी स्केल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के 72 गैरशिक्षक कर्मचारियों को एसीपी स्केल का लाभ प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में एग्रीकल्चर इंस्पैक्टर, एटेंडेंट, लैब एटेंडेंट, बेलदार, हैल्पर, माली आदि को लंबित एसीपी स्केल प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने आदेश जारी किया था कि विश्वविद्यालय के जिन कर्मचारियों का एसीपी स्केल किसी भी कारण से लंबित है उसे सिंगल विंडो कार्यप्रणाली के आधार पर तुरन्त एसीपी स्केल दिया जाए। इन्हीं आदेशों का अनुसरण करते हुए आज हुई बैठक में 72 गैर-शिक्षक कर्मचारियों के एसीपी स्केल प्रदान करने संबंधी केसों का निस्तारण किया गया।

कुलपति ने स्वयं इस बैठक का निरीक्षण किया। कुलपति द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब 15, 16 व 17 जनवरी को क्रमशः निदेशक शिक्षा विस्तार, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं निदेशक, छात्र कल्याण द्वारा एसीपी स्केल के लंबित केसों का निस्तारण किया जाएगा। बैठक में वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा, कुलसचिव डॉ. एमएस दहिया, एग्रीकल्चर मीट्रीरीयोलोजी विभाग के प्रो. डॉ. राजसिंह, मैथ एंड स्टैट विभाग के प्रो. पॉल सिंह तथा अनुसंधान निदेशालय के उपकुलसचिव शोभित कपूर के साथ हुई।

पँजाब केसरी
13.1.2018

हकृवि के 72 गैर-शिक्षक कर्मियों को मिला ए.सी.पी. स्केल का लाभ

हिसार, 12 जनवरी (का.प्र.): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 72 गैर-शिक्षक कर्मचारियों को आज ए.सी.पी. स्केल का लाभ प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत की अध्यक्षता में वित्त नियंत्रक डा. अतुल ढींगरा, कुलसचिव डा. एम.एस. दहिया, एग्रीकल्चर मीट्रियोलॉजी विभाग के प्रो. डा. राज सिंह, मैथ एंड स्टैट विभाग के प्रो. डा. पॉल सिंह तथा अनुसंधान निदेशालय के उप-कुलसचिव श्री शोभित कपूर के साथ आज आयोजित हुई बैठक

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह बैठक का निरीक्षण करते हुए।

में एग्रीकल्चर इंस्पैक्टर, अटैंडैंट, लैब अटैंडैंट, बेलदार, हैल्पर व माली आदि को लंबित ए.सी.पी. स्केल प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने गत दिनों विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों सहित सभी नियुक्ति प्राधिकारियों को आदेश जारी किया था कि विश्वविद्यालय के जिन कर्मचारियों का ए.सी.पी. स्केल किसी भी कारण से लंबित है उसे सिंगल विंडो कार्यप्रणाली के आधार पर तुरन्त ए.सी.पी. स्केल दिया जाए। इन्हीं आदेशों का अनुसरण करते हुए आज हुई बैठक में 72 गैर-शिक्षक कर्मचारियों के ए.सी.पी. स्केल प्रदान करने संबंधी केसों का निस्तारण किया गया। कुलपति ने स्वयं इस बैठक का निरीक्षण किया।

दैनिक जागरण
13.1.2018

आलू की खुदाई के बाद करें बैसाखी मूंग की बिजाई

कार्यक्रम में उपस्थित किसान। ● जागरण

जागरण संवाददाता हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना के तहत गांव अहरवां में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 किसानों ने भाग लिया, जिन्हें गेहूं व अन्य फसलों के उचित प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर विभाग के मुख्य सस्य वैज्ञानिक डा. पवन कुमार ने किसानों से धान-गेहूं फसल चक्र में विविधीकरण अपनाकर आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आलू की खुदाई के बाद किसान ग्रीष्म मूंग/बैसाखी मूंग की बिजाई करें, जोकि 60 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसके लिए मूंग की एमएच 421 उचित किस्म है। उन्होंने अधिक लाभ के लिए मार्च महीने में खाली होने वाले खेतों में सब्जी उगाने की सिफारिश की और कहा कि ऐसे बहुत से किसान हैं, जोकि प्याज की नर्सरी व फूलों की नर्सरी तैयार करके अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं।

अमर उजाला
13.1.2018

किसान गोष्ठी में लिया 60 किसानों ने हिस्सा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना के तहत गांव अहरवां में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 किसानों ने भाग लिया जिन्हें गेहूं और अन्य फसलों के उचित प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य सस्य वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने किसानों से धान-गेहूं फसल चक्र में विविधीकरण अपनाकर आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधान मृदा वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने मिट्टी व पानी की जांच के साथ-साथ पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में किसानों को बताया।